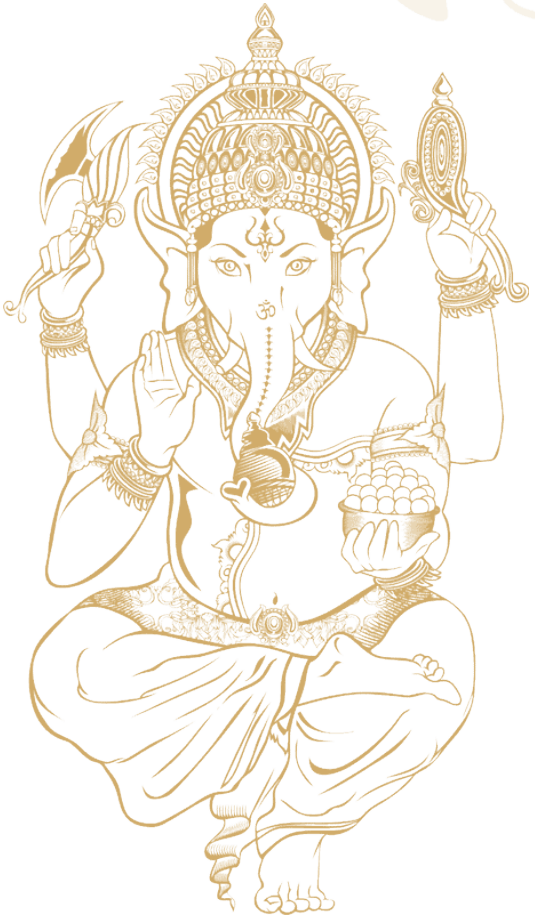

Vinay Kumar

20 Aug 2022

11:39 AM

Firozpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121955104

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/08/2022**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**11:39:00 घंटे**
इष्ट	14:06:25 घटी
स्थान	**Firozpur**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:55:00 उत्तर
रेखांश	74:38:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:07:32 घंटे
वेलान्तर	-00:03:27 घंटे
साम्पातिक काल	09:01:48 घंटे
सूर्योदय	06:00:25 घंटे
सूर्यास्त	19:08:43 घंटे
दिनमान	13:08:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	03:03:22 सिंह
लग्न के अंश	14:46:12 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	व्याघात
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वा-वासुदेव
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:46:12	304:31:44	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			सिंह	03:03:22	00:57:45	मघा	1	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृष	14:53:04	11:58:16	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल			वृष	05:47:11	00:35:10	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	सम राशि
बुध			सिंह	29:15:50	01:14:09	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		मीन	13:44:01	00:04:17	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	स्वराशि
शुक्र			कर्क	16:13:19	01:13:39	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मक	27:18:56	00:04:28	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	स्वराशि
राहु	व		मेष	22:59:31	00:01:12	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	22:59:31	00:01:12	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
हर्ष			मेष	24:44:35	00:00:13	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप	व		मीन	00:35:05	00:01:25	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो	व		मक	02:29:00	00:01:11	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	18:48:44	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:12

लग्न-चलित

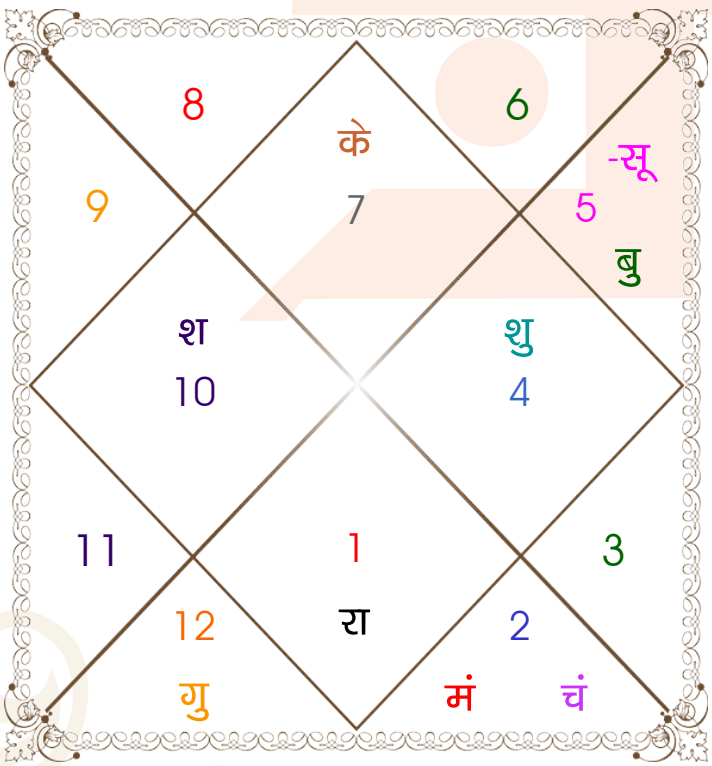

चन्द्र कुंडली

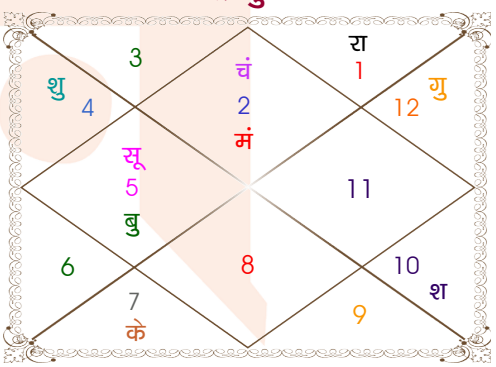

नवमांश कुंडली

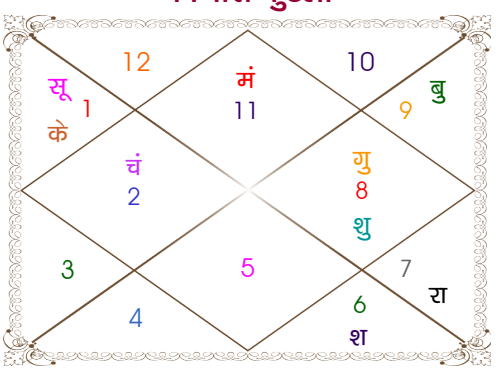

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 4 मास 1 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
20/08/2022		20/12/2028		21/12/2035		21/12/2053		21/12/2069	
20/12/2028		21/12/2035		21/12/2053		21/12/2069		20/12/2088	
	00/00/0000	मंगल	19/05/2029	राहु	02/09/2038	गुरु	08/02/2056	शनि	23/12/2072
	00/00/0000	राहु	06/06/2030	गुरु	26/01/2041	शनि	21/08/2058	बुध	03/09/2075
	20/08/2022	गुरु	13/05/2031	शनि	03/12/2043	बुध	26/11/2060	केतु	11/10/2076
गुरु	22/03/2023	शनि	21/06/2032	बुध	21/06/2046	केतु	02/11/2061	शुक्र	12/12/2079
शनि	21/10/2024	बुध	18/06/2033	केतु	10/07/2047	शुक्र	03/07/2064	सूर्य	23/11/2080
बुध	22/03/2026	केतु	14/11/2033	शुक्र	10/07/2050	सूर्य	21/04/2065	चंद्र	24/06/2082
केतु	21/10/2026	शुक्र	14/01/2035	सूर्य	03/06/2051	चंद्र	21/08/2066	मंगल	03/08/2083
शुक्र	21/06/2028	सूर्य	22/05/2035	चंद्र	02/12/2052	मंगल	28/07/2067	राहु	09/06/2086
सूर्य	20/12/2028	चंद्र	21/12/2035	मंगल	21/12/2053	राहु	21/12/2069	गुरु	20/12/2088

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
20/12/2088		22/12/2105		21/12/2112		21/12/2132		22/12/2138	
22/12/2105		21/12/2112		21/12/2132		22/12/2138		00/00/0000	
बुध	19/05/2091	केतु	20/05/2106	शुक्र	22/04/2116	सूर्य	10/04/2133	चंद्र	22/10/2139
केतु	15/05/2092	शुक्र	20/07/2107	सूर्य	22/04/2117	चंद्र	10/10/2133	मंगल	22/05/2140
शुक्र	16/03/2095	सूर्य	25/11/2107	चंद्र	22/12/2118	मंगल	14/02/2134	राहु	21/11/2141
सूर्य	21/01/2096	चंद्र	25/06/2108	मंगल	21/02/2120	राहु	09/01/2135	गुरु	21/08/2142
चंद्र	21/06/2097	मंगल	21/11/2108	राहु	21/02/2123	गुरु	28/10/2135		00/00/0000
मंगल	18/06/2098	राहु	10/12/2109	गुरु	22/10/2125	शनि	09/10/2136		00/00/0000
राहु	06/01/2101	गुरु	15/11/2110	शनि	21/12/2128	बुध	16/08/2137		00/00/0000
गुरु	14/04/2103	शनि	25/12/2111	बुध	22/10/2131	केतु	22/12/2137		00/00/0000
शनि	22/12/2105	बुध	21/12/2112	केतु	21/12/2132	शुक्र	22/12/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 4 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।